Dr. Vinod Baitha
Deptt of Economics
Marwari college Darbhanga

D.I (H)

Scope of Economics. अर्थशास्त्र का क्षेत्र
अर्थशास्त्र की विषय-सामग्री
Subject-Matter of Economics

अर्थशास्त्र मानव से संबंधित विज्ञान है। यह मनुष्य के आर्थिक क्रियाओं एवं उनके कारणों का अध्ययन करता है। अर्थशास्त्र ऐसा विषय है जो मानव की सामान्य आर्थिक क्रियाओं का अध्ययन करता है। आर्थिक क्रियाओं के अध्ययन में मुख्य रूप से उपभोग, उत्पादन, विनिमय, वितरण एवं राजस्व से संबंधित है। अर्थशास्त्र के ये मुख्य पाँच विभाग है। जिसपर अर्थशास्त्र निर्भर करता है ये सभी विभाग एक दुसरे से जुड़े हुए है। इस विभाग में क्या संबंध है

उपभोग Consumption

अर्थशास्त्र में उपभोग का महत्वपूर्ण स्थान है इससे अर्थशास्त्र का आदि और अन्त दोनों माना जाता है। उपभोग मानव आवश्यकताओं की प्रत्यक्ष संतुष्टि करता है। उपभोग के लिए ही आर्थिक क्रिया प्रारंभ की जाती है। तथा वस्तु का जब उपभोग होता है तो उसका अंत हो जाता है। मेयर्स के अनुसार — "व्यक्ति की आवश्यकताओं की संतुष्टि के लिए वस्तुओं तथा सेवाओं का प्रत्यक्ष एवं अंतिम प्रयोग ही उपभोग है।" Consumption is the direct and final use of goods and services for the satisfaction of Human Wants उपभोग को ध्यान में रखकर उत्पादन किया जाता है। उपभोग द्वारा मनुष्य की आवश्यकताओं की संतुष्टि होती है। जब वस्तु का उपभोग किया जाता है। तो आर्थिक क्रिया की अंतिम परिणति हो जाती है। इस संदर्भ में यह कहा जाता है कि उपभोग सभी क्रियाओं का आदि और अंत है। उपभोग का संबंध मानव व्यवहार से होता है उपभोग के अन्तर्गत आवश्यकता तथा उसकी संतुष्टि, उपयोगिता, सीमान्त उपयोगिता नियम, उपभोक्ता उपभोक्ता बचत नियम, मांग का नियम जैसे अनेक नियमों का अध्ययन किया जाता है।

उत्पादन Production

अर्थशास्त्र में उत्पादन का महत्वपूर्ण स्थान है यह एक शास्त्र का

Scanned by CamScanner

दूसरा विभाग है, उपभोक्ता की आवश्यकता की प्रति तभी हो सकती है जब वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन किया जाय। अर्थशास्त्र में उपयोगिता का सृजन ही उत्पादन कहा जाता है। Production is the creation of utility उत्पादन के अन्तर्गत उत्पादन के साधनों उन्नति के नियमों तथा उत्पादन के तरीकों का अध्ययन किया जाता हो

विनिमय Exchange

अर्थशास्त्र के अन्य विभागों की तरह विनिमय का महत्वपूर्ण स्थान है। जब मनुष्य की आवश्यकताएँ कम थी तो वस्तु का उत्पादन स्वयं उपभोग के लिए प्राय: छोटे पैमाने पा होता था। या तो उसका उत्पादक द्वारा स्वयं उपभोग का लिया जाता था। या उसका अदला-बदली किया जाता था। उस समय वस्तु विनिमय प्रणाली प्रचलित थी। लेकिन जैसे-जैसे जनसंख्या में वृद्धि हुई। जब उत्पादन का पैमाना बड़ा तो बड़ी मात्रा में उत्पादन होने लगा। तथा विनिमय की समस्या जटिल होती गयी। मुद्रा के आविष्कार ने विनिमय के कार्यों को सरल बना दिया तथा वस्तु का लेन-देन आसान हो गया। मुद्रा के सहारे खरीद-बिक्री होने लगी। अर्थशास्त्र में विनिमय के अन्तर्गत बाजार की स्थितियों तथा मूल्य निर्धारण जैसी बातों का अध्ययन किया जाता है

वितरण Distribution

अर्थशास्त्र के विभागों में वितरण का महत्वपूर्ण स्थान है। कोई भी उत्पादन, उत्पादन के अनेक साधनों के सम्मिलित प्रयास से ही संभव होता है जैसे भूमि श्रम, पूँजी, साहस, संगठन, इन पाँच साधनों के सहयोग से ही उत्पादन होता है। इन साधनों के द्वारा जो आय या राष्ट्रीय सम्पत्ति का उत्पादन होता है वह इनके पारिश्रमिक के रूप में इन साधनों के बीच वितरित किया जाता है। विभिन्न उत्पादन के साधनों के बीच आपंटन को वितरण कहा जाता हो वितरण के द्वारा भूमि का लगान पूँजी का ब्याज, श्रम को मजदूरी, साहसी, एवं संगठन को लाभ दिया जाता है। वितरण विभाग के अन्तर्गत लगान मजदूरी ब्याज लाभ का अध्ययन किया जाता है। आधुनिक युग में वितरण एक ऐसी प्रक्रिया है जो उत्पादन के साधनों को अधिक गतिशील बनाती है जिसे किसी भी देश का उत्पादन अधिक होता है -

P.T.O.

Scanned by CamScanner

राजस्व Public Finance राजस्व को अर्थशास्त्र का पाँचवा विभाग माना जाता है। सरकार या सार्वजनिक अधिकारी अनेक कार्यों पर खर्च करते है तथा इन्हें आय की जरूरत होती है राजस्व के अन्तर्गत हम सरकार के आय-व्यय, लेखा के साथ-साथ करारोपण तथा ऋण संबंधी नीतियों का ज्ञान प्राप्त करते हैं लोक वित्त सरकार के आय-व्यय लेखा के साथ-साथ करारोपण एवं ऋण संबंधी जानकारी सार्वजनिक किया जाता है राजस्व एक ऐसा विभाग है जिसपर किसी भी देश के सरकार की नीतियाँ निर्भर करती है सरकार राजस्व के कारण ही महत्वपूर्ण फैसले लेने के लिए स्वतंत्र रहती है

इस प्रकार अर्थशास्त्र को मुख्य रूप से पाँच विभागों में विभाजित किया जाता है पाँचों विभाग एक दूसरे से जुड़े हुए हैं इनके घनिष्ठ संबंध होता है पाँचों विभागों का अपना-अपना विशिष्ट महत्व है अर्थशास्त्र के अध्ययन में इन विभागों का व्यापक अध्ययन है जिससे अर्थशास्त्र के कार्यविधि की जानकारी होती है

Scanned by CamScanner